हिन्दुस्तान जिंक की आधुनिक टेक्नोलॉजी, बेहतरीन कार्यप्रणाली, सुरक्षा और सामाजिक विकास पर बल

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। कोयला और खान मंत्रालय के माननीय केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राजस्थान में हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स का दौरा किया। विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक और विश्व की शीर्ष चांदी उत्पादक कंपनी हिन्दुस्तान जिंक की सिंदेसर खुर्द माइन और दरीबा स्मेल्टिंग की संचालन प्रणाली, आधुनिक तकनीक, श्रमिकों कर्मचारियों के सुविधाओं सहित कंपनी द्वारा सामुदायिक विकास के लिए किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। इस यात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में कंपनी की भूमिका को एक बार फिर से दोहराया है। हिन्दुस्तान जिंक प्रति वर्ष 1.1 मिलियन टन से अधिक धातु बनाने की क्षमता रखता है। इस बड़ी क्षमता के कारण, यह कंपनी भारत को धातुओं के मामले में आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने में एक बहुत जरूरी भूमिका निभाती है। हिन्दुस्तान जिंक देश के महत्वपूर्ण खनिजों की क्षमता को सामने ला रही है। हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा और कोयला और खान मंत्रालय के संयुक्त सचिव विवेक बाजपेयी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि हिंदुस्तान जिंक का संचालन यह दिखाता है कि भारत एक आधुनिक, जिम्मेदार और आत्मनिर्भर माइनिंग क्षेत्र बनाने की दिशा में किस प्रकार प्रगति कर रही है।